Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to take measures to enhance Women Empowerment and to organize 02 days special session of Parliament for women MPs.

श्रीमती लॉकेट चटर्जी (हुगली) : अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद । इस संसद में हर एक मुद्दा उठता है और बीत-चीत भी होती है, यह जरूरी भी है । महिलाओं के विषय में काफी कुछ मुद्दे उठने के बाद भी बहुत कुछ छूट जाता है । कुछ-कुछ राज्यों में तो महिलाओं और बच्चों की जो आवाज है, उसको दबा दिया जाता है । हमारी संसद में 81 महिला सांसद हैं । ये बहुत सारी लड़ाई और सेवा करके संसद तक पहुंची हैं । हमारे देश में महिलाओं के साथ बहुत भेदभाव है । उसमें चाहे स्कूल में एडमिशन की बात हो, कॉलेज में भर्ती की बात हो, पढ़ाई की बात हो, नौकरी की बात हो, लेकिन अभी तक 100 परसेंट वूमेन एम्पावरमेंट नहीं हुआ है, इसलिए पिछली सरकार सबसे ज्यादा रिस्पोंसिबल है । वर्ष 2014 से नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने नारियों के अधिकार और रिस्पेक्ट के लिए बहुत सारी स्कीम्स लागू की हैं, जिनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, शौचालय प्रकल्प, मुद्रा लोन, आयुष्मान भारत इत्यादि हैं ।

सर, कार्ड में महिलाओं का नाम होता है और प्रधान मंत्री आवास योजना में भी महिला का नाम होता है । इस तरह से बहुत सारे प्रकल्प हैं । कोरोना के टाइम में 1500 रुपये हर महिला के बैंक अकाउंट में डालने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया है । भारत की महिलाओं, बच्चों के मुद्दों तथा उनकी आवाज को और ज्यादा बढ़ाने के लिए क्या सेशन में हम नारी के लिए दो दिन का सत्र नहीं कर सकते हैं? … (व्यवधान)